Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

वर्ष- 29 ◻ अंक- 31 ◻ रायपुर, रविवार 22 फरवरी 2026 ◻ पृष्ठ-8 ◻ मूल्य- 2.50 रुपया • रायपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब किसान मजबूत और समृद्ध होंगे : डेका

राज्यपाल ने छत्तीसगढ की 6वीं विधानसभा के अष्टम् सत्र को संबोधित किया

रायपुर, 23 फरवरी (हाईवे चैनल)। राज्यपाल रमेन डेका ने आज छत्तीसगढ़ की 6 वीं विधानसभा के अष्टम् सत्र को संबोधित किया और अभिभाषण पढ़ा। विधानसभा पहुंचने पर राज्यपाल श्री डेका का मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह, नेता प्रतिपक्ष डॉ चरण दास महंत ने स्वागत किया।

अभिभाषण में राज्यपाल ने छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की रजत जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करकमलों से हमारी विधानसभा के नवीन भवन का लोकार्पण हुआ। आप सभी को लोकतंत्र के मंदिर इस नये भवन की हार्दिक शुभकामनाएं। उन्होंने कहा अब हमारे प्रदेश ने विकसित राज्य की ओर अपना नया सफर शुरू किया है। सामूहिक प्रयत्न और संकल्प से निश्चित रूप से हम वर्ष 2047 तक विकसित राज्य का लक्ष्य प्राप्त करेंगे।भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी ने हमारे राज्य का निर्माण किया। उन्होंने जिस संकल्पना को लेकर छत्तीसगढ़ बनाया, उसे पूरा होते देखकर बहुत खुशी होती है। छत्तीसगढ़ में विकास की असीम संभावनाएं हैं। यहां की सरल, सहज और मेहनतकश जनता की बदौलत मेरी सरकार इन संभावनाओं को साकार करने की दिशा में कड़ी मेहनत कर रही है। मेरी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता अंत्योदय का कल्याण है। मेरी सरकार की प्रत्येक नीति में यह सोच है कि इसके लागू होने से आखिरी पंक्ति में खड़े नागरिक को किस तरह से लाभ मिलेगा। जब इस सोच के अनुरूप नीति बनती है तो समावेशी विकास की दिशा में कदम स्वतः बढ़ जाते हैं। समावेशी विकास में महिला सशक्तिकरण की महत्वपूर्ण भूमिका है। मातृ शक्ति को सशक्त बनाना मेरी सरकार की प्राथमिकता है। इसी सोच के साथ इस वर्ष को 'महतारी गौरव वर्ष' के रूप में मनाया जा रहा है। सामाजिक कल्याण के साथ तीव्र आर्थिक विकास के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए नये जमाने के अनुरूप मेरी सरकार ने नवाचार भी किया है जिसका व्यापक असर प्रदेश के आर्थिक विकास के आंकड़ों में नजर आता है।

राज्यपाल ने कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब किसान मजबूत और समृद्ध होंगे। इसलिए मेरी सरकार उन्हें आधुनिक तकनीक से जोड़ने, फसल का उचित मूल्य दिलाने और बाजार तक उनकी आसान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए निरंतर काम कर रही है। इस वर्ष 25 लाख 24 हजार किसानों से समर्थन मूल्य पर 141.04 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा गया और 33 हजार 431 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। मेरी सरकार ने 'कृषक उन्नति योजना' के तहत होली से पहले किसानों को 10 हजार 292 करोड़ रुपये का भुगतान करने का निर्णय लिया है। सरकार गुणवत्तापूर्ण बीज किसानों को उपलब्ध कराने की दिशा में पुख्ता काम कर रही है। बीज उत्पादन में प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति एवं महिला वर्ग के किसानों को प्रमाणीकरण शुल्क में शतप्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है। दो साल में 21 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज वितरित किये गये हैं। हमारे वनांचल जैविक खेती के लिए सबसे अनुकूल हैं और इससे स्थानीय किसानों के लिए बड़े लाभ की संभावनाएं खुलेंगी। प्रदेश में 38 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में जैविक खेती हो रही है। हमारा छुईखदान पान की बेलों के लिए प्रसिद्ध रहा है। मेरी सरकार ने यहां पान अनुसंधान केंद्र आरंभ किया है। खेती-किसानी से जुड़ी अर्थव्यवस्था का विस्तार पशुपालन को बढ़ावा दिए बिना संभव नहीं है। मेरी सरकार ने इस क्षेत्र में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के साथ एमओयू किया है। सहकारिता की ताकत सबसे बड़ी ताकत है। इस ताकत से लोगों को जोड़ते हुए 'सहकार से समृद्धि योजना' के तहत 488 नवीन डेयरी समितियों का गठन किया गया है। दुग्ध उत्पादक किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से महासंघ द्वारा दूध का क्रय मूल्य 35 रुपए से बढ़ाकर 36 रुपए 50 पैसे प्रति लीटर कर दिया गया है। विकसित छत्तीसगढ़ का आधार सिंचाई परियोजनाएं हैं। पिछले दो वर्षों में मेरी सरकार ने प्रदेश में 25 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता की वृद्धि की है, जिससे राज्य में कुल विकसित सिंचाई क्षमता 21 लाख 76 हजार हेक्टेयर हो गई है।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने पेश किया आर्थिक सर्वेक्षण

छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने आर्थिक सर्वेक्षण पेश करते हुए 2025-26 में छत्तीसगढ़ का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 11.57 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान जताया. उन्होंने जीएसडीपी 6.31 लाख करोड़ रुपए होने की संभावना जताई. वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने आर्थिक सर्वेक्षण में कृषि क्षेत्र में 12.53%, उद्योग क्षेत्र में 10.26%, सेवा क्षेत्र में 13.15% के साथ स्थिर भावों पर 8.11% वृद्धि का अनुमान जताया. उन्होंने बताया कि 2024-25 में 10.50% वृद्धि दर्ज की गई है, जिसमें कृषि में 11.76 प्रतिशत, उद्योग में 9.91% और सेवा क्षेत्र में 10.08% की बढ़ोतरी हुई. वित्त मंत्री ने सरकारी योजनाओं का सकारात्मक असर बताते हुए राज्य में प्रति व्यक्ति आय 2025- 26 में 1,79,244 रुपए होने का अनुमान जताया, जो 2024-25 के 10.07% से अधिक है.

जीएसडीपी में 11.57 प्रतिशत बढ़ोतरी का अनुमान

छग से भाजपा ने राज्यसभा के लिए हाईकमान को भेजा 7 नामों का पैनल

रायपुर, 23 फरवरी (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ में राज्यसभा की दो सीटों के लिए सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार, इन सीटों के लिए नामांकन की प्रक्रिया 26 मार्च से शुरू होने जा रही है।इसी बीच, छत्तीसगढ़ भाजपा ने संभावित उम्मीदवारों का एक पैनल तैयार कर दिल्ली स्थित हाईकमान को भेज दिया है।

जातीय समीकरणों का खास ख्याल- भाजपा ने इस पैनल में 7 प्रमुख नेताओं के नाम शामिल किए हैं, जिसमें एसटी-एससी, ओबीसी और सामान्य वर्ग के बीच संतुलन बनाने की कोशिश की गई है। पैनल में शामिल नामों का विवरण इस प्रकार है। अनुसूचित जाति वर्ग: इस वर्ग से तीन अनुभवी चेहरों को जगह मिली है- नवीन मार्कंडेय, डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी, किरण बघेल। सामान्य वर्ग: सामान्य कोटे से तीन कद्दावर नेताओं के नाम भेजे गए हैं- गौरीशंकर अग्रवाल (पूर्व विधानसभा अध्यक्ष), प्रबल प्रताप सिंह जूदेव, सरोज पांडे (पूर्व राज्यसभा सांसद)। अन्य पिछड़ा वर्ग: इस वर्ग से एक प्रभावशाली नाम शामिल किया गया है- नारायण सिंह चंदेल (पूर्व नेता प्रतिपक्ष)। सूत्रों के मुताबिक, प्रदेश इकाई द्वारा भेजे गए इन 7 नामों पर दिल्ली में भाजपा केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में मंथन होगा। चूंकि पार्टी आगामी चुनावों और क्षेत्रीय समीकरणों को ध्यान में रख रही है, इसलिए इन नामों में से ही अंतिम मुहर जल्द ही लग सकती है, राज्यसभा की ये दो सीटें फूलोदेवी नेताम और के.टी.एस. तुलसी का कार्यकाल समाप्त होने के कारण रिक्त हो रही हैं।

नासा के आर्टेमिस मिशन को झटका नई गड़बड़ी के बाद चंद्र रॉकेट फिर लौटा

अप्रैल तक टली उड़ान

नई दिल्ली, 23 फरवरी (न्यूज चैनल)। नासा अपने विशाल चंद्र रॉकेट को अंतरिक्ष यात्रियों के सवार होने से पहले और मरम्मत के लिए इस सप्ताह फिर से हैंगर में वापस लाएगा। अंतरिक्ष एजेंसी के अनुसार, कम से कम अप्रैल तक उड़ान स्थगित रहेगी। मौसम अनुकूल रहने पर मंगलवार को केनेडी स्पेस सेंटर के परिसर में रॉकेट को वापस ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। नासा ने बृहस्पतिवार को खतरनाक हाइड्रोजन ईंधन रिसाव को बंद करने के लिए दोबारा जांच की थी। इसी दौरान रॉकेट की हीलियम प्रणाली में खराबी आ गई, जिससे आधी सदी से अधिक समय बाद अंतरिक्ष यात्रियों की पहली चंद्र यात्रा और टल गई।

इंजीनियरों ने हाइड्रोजन रिसाव पर काबू पा लिया था और प्रक्षेपण के लिए छह मार्च की तिथि तय की। प्रक्षेपण में एक माह का विलंब पहले ही हो चुका है। अचानक हीलियम प्रणाली में बाधा उत्पन्न हो गई जिससे रॉकेट के ऊपरी चरण तक हीलियम का प्रवाह बाधित हुआ।

ब्रेकिंग न्यूज

काठमांडू जा रही बस त्रिशूली नदी में गिरी, 18 की मौत

नई दिल्ली, 23 फरवरी (न्यूज चैनल)। नेपाल में सोमवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसे ने कई परिवारों की खुशियां छीन लीं। पोखरा से काठमांडू जा रही यात्रियों से भरी एक बस धादिंग जिले में त्रिशूली नदी में जा गिरी। हादसा रात करीब 1:15 से 1:30 बजे के बीच पृथ्वी राजमार्ग पर गजुरी के पास हुआ। बस में 35 से अधिक यात्री सवार थे।

यह दुर्घटना बेनिघाट रोरांग ग्रामीण नगरपालिका के वार्ड-3 स्थित चिनाधारा-चारौंदी इलाके में हुई, जो काठमांडू से लगभग 90 किलोमीटर पश्चिम में है। अंधेरे और तेज बहाव के बीच बस सीधे नदी में गिर गई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

जिला ट्रैफिक पुलिस कार्यालय धादिंग के प्रमुख शिशिर थापा के अनुसार मृतकों की संख्या बढ़कर 18 हो गई है। सशस्त्र पुलिस बल के प्रवक्ता बिष्णु प्रसाद भट्ट ने बताया कि अब तक 17 शव घटनास्थल से निकाले जा चुके हैं और 28 घायल यात्रियों को बस से बाहर निकालकर अस्पताल भेजा गया है। हाईवे रेस्क्यू मैनेजमेंट कमेटी के अध्यक्ष राजकुमार ठाकुरी ने कहा कि घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। राहत और बचाव कार्य में नेपाल आर्मी, सशस्त्र पुलिस बल, नेपाल पुलिस और स्थानीय लोग जुटे हुए हैं।

3 मार्च को साल का पहला चंद्र ग्रहण

नई दिल्ली, 23 फरवरी (न्यूज चैनल)। साल 2026 का पहला और सबसे लंबी अवधि तक चलने वाला चंद्र ग्रहण 3 मार्च, मंगलवार को लगेगा। ज्योतिषीय गणना के अनुसार इस दिन चंद्रमा सिंह राशि में संचार करेंगे। यह ग्रहण भारत में आंशिक रूप से दिखाई देगा, इसलिए देश में सूतक काल मान्य रहेगा। आइए जानते हैं चंद्र ग्रहण का सटीक समय, भारत में दृश्यता और सूतक से जुड़े नियम। ग्रहण प्रारंभ- दोपहर 3.20 बजे, खग्रास (पूर्ण चरण) प्रारंभ- शाम 4.34 बजे, ग्रहण समाप्ति- शाम 6.47 बजे खग्रास वह स्थिति होती है जब चंद्रमा पूर्ण रूप से पृथ्वी की छाया में आ जाता है। इस बार ग्रहण की कुल अवधि लगभग 3 घंटे 27 मिनट रहेगी। भारत में चंद्रोदय 3 मार्च को शाम 6.22 बजे होगा। चूंकि ग्रहण का समापन 6:47 बजे है, इसलिए भारत में यह ग्रहण लगभग 25 मिनट तक ही दिखाई देगा। हालांकि चंद्रोदय का समय अलग-अलग शहरों में कुछ मिनटों का अंतर लिए हो सकता है। राजधानी दिल्ली में चंद्रोदय लगभग 6:22 बजे होगा, इसलिए वहां ग्रहण सीमित समय के लिए दृश्य रहेगा।

सालभर जेल में बिताने के बाद पहली बार विधानसभा पहुंचे कवासी लखमा

भाजपा नेताओं से मिले गले

रायपुर, 23 फरवरी (हाईवे चैनल)। शराब घोटाले में आरोपी बनाए गए पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा सालभर जेल में बिताने के बाद पहली बार सोमवार को विधानसभा की कार्यवाही में शामिल हुए. विधानसभा में पहुंचने के बाद लखमा ने कांग्रेस-भाजपा विधायकों से मुलाकात की, भाजपा विधायकों ने गले लगाकर उनका स्वागत किया.

बता दें कि शराब घोटाला मामले में जमानत पर जेल से बाहर हुए कांग्रेस विधायक कवासी लखमा को विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कुछ शर्तों के साथ सत्र में शामिल होने की अनुमति दी है. विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने उन्हें अंतरिम जमानत और विधानसभा की प्रक्रियात्मक शर्तों पालन करने का निर्देश देते हुए अनुमति दी गई है. क्योंकि, अभी जिस मामले में उन्हें जमानत मिली है, उसकी जांच अभी जारी है. ऐसे में फिलहाल सर्वोच्च न्यायालय के सभी आदेशों और संवैधानिक प्रावधानों का पालन करना होगा. विधानसभा सत्र के दौरान कवासी लखमा किसी भी तरह की स्पीच नहीं दे सकेंगे. वहीं सार्वजनिक बयानबाजी या अपने केस से जुड़े मामलों पर भी टिप्पणी नहीं कर सकेंगे. कवासी उपस्थिति केवल बजट सत्र तक ही सीमित रखी गई है, वह किसी और कार्यक्रम में भाग नहीं ले सकेंगे. यही नहीं कवासी लखमा बजट सत्र के दौरान वह अपने निवास क्षेत्र का दौरा भी नहीं कर सकेंगे.

रायपुर-विशाखापटनम ग्रीन कॉरीडोर में वन्य जीवों की सुरक्षा पर फोकस

28 मंकी कैनोपी, 21 एनिमल पास वे रुट व बनाए गए हाथी अंडरब्रिज

464 किमी लंबे सिक्सलेन एक्सप्रेस वे का कार्य है तेजी से जारी, रायपुर से विशाखापटनम की घटेगी दूरी व समय

आशीष जैन (मिन्नी)

धमतरी, 18 फरवरी (हाईवे चैनल)। रायपुर- विशाखापटनम इकोनेमिक कॉरिडोर का निर्माण तीव्र गति से जारी है। उक्त कॉरिडोर की खासियत यह होगी कि इस कॉरिडोर में वाहनों की सुगमता के साथ ही वन्य प्राणियों की सुगमता का भी विशेष ख्याल रखा जा रहा है।

बता दे कि 464 किमी लंबे उक्त कॉरिडोर में वन्य जीवो की सुरक्षा को भी प्राथमिकता दी गई है। उक्त कॉरिडोर में हाथियों, बंदरो, बाघ, तेन्दुआ, भालु, सांप जैसे अन्य वन्य प्राणियों के लिए स्वतंत्र मार्ग बनाए जा रहे है। इस कॉरिडोर क्षेत्र में उदंती सीतानदी अभ्यारण्य क्षेत्र आता है। लगभग 26 किमी का मार्ग अभ्यारण्य क्षेत्र से होकर गुजरता है। वन विभाग द्वारा उक्त क्षेत्र को वन्य जीवो का विचरण क्षेत्र बनाया है। इसलिए उक्त मार्ग सहित अन्य क्षेत्र में बंदरो के गुजरने हेतु 28 मंकी कैनोपी, कई हाथी अंडर ब्रिज, 21 एनिमल पास के रुट और सांप जैसे जीव जो जमीन पर रेंगते है उनके लिए पाईप डालकर बिल बनाया गया है ताकि वन्य जीव वाहनों की चपेट में आये बिना सुरक्षित तरीके से मार्ग पार कर सके और दुर्घटना घटित न हो।

घटेगी दूरी आदिवासी, पिछड़े क्षेत्रो की कनेक्टिविटी होगी बेहतर - बता दे कि 464 किमी कॉरिडोर से छत्तीसगढ़ और विशाखापटनम की दूरी लगभग 125 किमी कम हो जाएगी। उक्त कॉरिडोर के तहत छत्तीसगढ़ में 124 किमी, ओड़िसा में 240 किमी और आंध्रप्रदेश में 100 किमी का सड़क निर्माण किया जा रहा है। पहले जहां रायपुर विशाखापटनम पहुंचने में 12 से 14 घंटे लगते थे अब यह दूरी 7 घंटे के भीतर पूरी हो जाएगी। उक्त कॉरिडोर बनने से आदिवासी और पिछड़े क्षेत्रो जिनमें दक्षिण छत्तीसगढ़ के 4 जिलो धमतरी, कांकेर, बस्तर, कोण्डागांव की रोड कनेक्टिविटी में बड़ा सुधार होगा। इससे व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा।

छत्तीसगढ़ के लगभग 125 किमी मार्ग 108 किमी सड़क निर्माण हुआ पूरा - भारत माला प्रोजेक्ट के तहत रायपुर विशाखापटम कॉरिडोर का निर्माण द्रीव गति से जारी है। यह तीन राज्यो से होकर गुजरेगा जिसमें छत्तीसगढ़ में लगभग 125 किमी की सड़क होगी जिसमें लगभग 108 किमी सड़क का डामरीकरण निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। मात्र 17 किमी सड़क में काम बाकी है शेष कार्य को भी तीव्र गति से किया जा रहा है। एनएचएआई की पूरी टीम तत्परता के साथ जुटी हुई है।

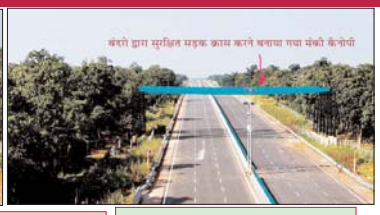

- कॉरीडोर छत्तीसगढ़, ओड़िसा, आंध्रप्रदेश को जोड़ेगी

सड़क सुविधा के साथ प्रकृति की सुरक्षा का विशेष ख्याल : प्रदीप लाल

एनएचएआई के क्षेत्रीय अधिकारी प्रदीप लाल ने बताया कि भारत माला प्रोजेक्ट के तहत निर्माणधीन रायपुर-विशाखापटनम् सिक्सलेन कॉरिडोर में बेहतर सड़क सुविधाओं के साथ प्रकृति की सुरक्षा पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसलिए वन विभाग के राय अनुसार वन्य जीवो की सुरक्षा व विचरण क्षेत्र को ध्यान में रखते हुए मंकी कैनोपी एनिमल रुट पास वे हाथी अंडर ब्रिज व सांप आदि रेंगने वाले जीवों के लिए सुरंग का निर्माण भी किया गया है।

- मंकी कैनोपी (ब्रिज) सड़क के ऊपर दोनो तरफ के पेड़ों को जोड़ता है
- हाथियों के लिए अंडर ब्रिज बनाया गया है जिससे हाथी सुरक्षित सड़क के नीचे से गुजर पाएंगे।
- 2017 में मिली स्वीकृति, 2026 तक हो सकता है पूरा।
- कॉरिडोर अभनपुर से शुरु होकर सीधे जुड़ेगी विशाखापटनम से।
- घने जंगलो के बीच बन रही खूबसूरत सड़क।
- गाड़ियों के शोर को जंगल तक पहुंचने लगाए गए है स्पेशल ग्रीन शीट

बिरादरी की बातें

चूहा- सुनती हो, पूर्व मंत्री कवासी लखमा को विधानसभा बजट सत्र में बैठने की अनुमति दी गई है।

चुहिया- हां जी, सिर्फ बैठने की अनुमति दी गई है बोलने की नहीं।